थारी भंगिया तुमको | By Sanjay Chauhan |

थारी भंगिया क्यों भोले तुमको
गौरा से ज्यादा प्यारी है
भांग धतूरा पीते हो
अपने ही धुन में रहते हो
कैसी ये आदत तुम्हारी है
थारी भंगिया क्यों भोले तुमको
गौरा से ज्यादा प्यारी है

एक दिन गौरा ने पूछ लिया
शिव जी ने कोई ना जवाब दिया
शिव तो अंतर्यामी हैं
गौरा ने मन में ठानी है
भंगिया ये बैरन हमारी है
थारी भंगिया क्यों भोले तुमको
गौरा से ज्यादा प्यारी है

जब-जब भोले तुम पीते हो
एक बार सुध ना लेते हो
लाख दुआ कोई मांगे
एक ना चले शिव के आगे
गौरा जी तो हारी है
थारी भंगिया क्यों भोले तुमको
गौरा से ज्यादा प्यारी है

भंगिया की बात तू सुन गौरा
फूल सा कोमल मन तेरा
जब-जब भंगिया पीता हूँ
तेरे ही ध्यान में रहता हूँ
इसलिए पीता हूँ
थारी भंगिया हमारी गौरा
तुम्हीं से ज्यादा प्यारी है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%8b-by-sanjay-chauhan/